

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

भं० 36। नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 3, 1988 (भाद्रपद 12, 1910)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 3, 1988 (BHADRA 12, 1910)

इस भाग में चित्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह भवन संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

## भाग III—खण्ड 4

## [PART III—SECTION 4]

सांबिधिक मिकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं इसमें कि भारत, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

शहरी बैंक विभाग

“वि आर्केड”, विश्व व्यापार केन्द्र

बम्बई-400005, दिनांक 18 अगस्त 1988

सं० य० बी० डी० आर० ९४/ए० ९-८८/८९—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (क) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निम्नलिखित बैंकों को उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में शामिल करने का निर्देश देता है:-

1. बॉम्बे मर्केन्टाइल को—आैपरेटिव बैंक लि०, बम्बई।
2. सारस्वत को—आैपरेटिव बैंक लि०, बम्बई।
3. अस्युल्य को—आैपरेटिव बैंक लि०, बम्बई।
4. डेवलपमेंट को—आैपरेटिव बैंक लि०, बम्बई।
5. जनता शहकारी बैंक लि०, पुणे।
6. शामराव विट्ठल को—आैपरेटिव बैंक लि०, बम्बई।
7. राजकोट नागरिक सहकारी बैंक लि०, राजकोट।

8. कालपुर कमर्शियल को—आैपरेटिव बैंक लि०, ग्रहमदा-बाबू।

9. सूरत पीपल्स को—आैपरेटिव बैंक लि०, सूरत।

10. सांगली अर्बन को—आैपरेटिव बैंक लि०, सांगली।

11. खण्डी को—आैपरेटिव बैंक लि०, पुणे।

उपर्युक्त बैंकों को दूसरी अनुसूची में पहली सितम्बर 1988 से शामिल किया जाएगा।

पुष्पदेव ओमा,  
उप गवर्नर

सिंडिकेट बैंक

ओद्योगिक सञ्चालन अनुभाग

कार्मिक विभाग

प्रधान कार्यालय

मणिपाल, दिनांक 27 जून 1988

सं० एफ० डी० ओ०/पी० ए० डी०/88—केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति तथा भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्शी से बैंकिंग कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम 1970

(1970 का पांचवा) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिडिकेट बैंक का निदेशक मंडल सिडिकेट बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 को आगे संशोधित करने के लिए निम्नांकित विनियमों का प्रतिपादन करता है।

## 2. संक्षिप्त नाम एवं प्रारंभ :-

(1) इन विनियमों को सिडिकेट बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम (संशोधन) 1988 कहा जाएगा।

(2) भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से ये विनियम लागू होंगे।

## (3) विनियमों का विवरण :—

### (1) विनियम 5 में संशोधन :

(1) 1-1-1985 को और से विनियम 5(1) के अंत में निम्नांकित उपबंध को जोड़ दिया जाएगा :

“परंतु कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी वेतनमान 1 और मध्य श्रेणी वेतनमान 2 तथा 3 के ऐसे अधिकारी जिन्होंने अपने अधिकतम वेतनमान प्राप्त किए हैं उन्हें प्रत्येक पांच वर्षों की सेवा के लिए अंतिम वृद्धि के समान गत्यावरोध वेतन वृद्धियाँ प्रदान की जाएगी जिसकी अधिकतम सीमा है कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी वेतनमान 1 के अधिकारियों के सिए ऐसी दो वेतन वृद्धियाँ और मध्य प्रबंध श्रेणी वेतनमान 2 और 3 के अधिकारियों के लिए ऐसी एक वेतनवृद्धि।

ऐसे अधिकारियों के संदर्भ में जिन्होंने अपने अधिकतम वेतनमान में 5 वर्षों से भी अधिक सेवा की है, ऐसी पहली गत्यावरोध वेतनवृद्धि 1-5-1985 से या देय दिनांक को जो भी बाद में हो, प्रदान किया जाएगा परन्तु जो भी पात्र है उन्हें ऐसी दूसरी वेतन वृद्धि 1 जनवरी 1987 के बाद प्रदान की जाएगी।”

(2) 1-2-1984 को और से विनियम 5(2) के अंत में निम्नांकित प्रावधान को जोड़ें :—

“ऐसे अधिकारी जिन्होंने अपने वेतनमान की अधिकतम सीमा प्राप्त की हैं उन्हें उस वेतनमान में अधिकतम एक वर्ष की सेवा संपूर्ण होने के बाद सी० ए० आई० आई० बी० भाग-1 परीक्षा पास करने के लिए 100/- प्र० मा० व्यावसायिक अर्हता भत्ता और सी० ए० आई० आई० बी० के बोनों भागों को पास करने के लिए 200/- प्र० का० उस वेतनमान में अधिकतम 2 वर्ष की भेदा संपूर्ण करने के बाद उन्हें प्रदान किया जाएगा।”

## 2. विनियम 22 में संशोधन

1-2-1984 की ओर से विनियम 22(2) निम्नांकित धारा प्रतिस्थापित किया जाए।

“22(2) अधिकारी को बैंक द्वारा आवास सुविधा न दी जाने पर अधिकारी को आवास भत्ता देय होगा। यह राशि उसके द्वारा अपने आवास के लिए अपने वेतनमान के पहले स्तर के बेनन के 10 प्रतिशत में अधिक दिए गए वास्तविक किराए के बराबर होगी। ऐसी रकम निम्नांकित धरों के अनुसार होगी :

कार्य का स्थान	देय आवास किराया भत्ता
1. “अ” श्रेणी के बड़े शहर भारत सरकार के मार्गवर्षी सिद्धांत के अनुसार समय-समय पर मंडल द्वारा इस प्रकार निर्दिष्ट किए गए “अ” श्रेणी के बड़े शहर और समूह “अ” के परियोजना केन्द्र	मूलवेतन का 17.5 प्रतिशत अधिकतम प्र० मा० 500/- रुपए तक
2. उपर्युक्त (अ) में अलिखित नगरों के अधिकतम क्षेत्र 1 और समूह (आ) के परियोजना प्र० मा० तक केन्द्र	मूलवेतन का 15 प्रतिशत अधिकतम 400/- रुपए
3. उपर्युक्त (1) और (2) द्वारा व्याप्त नहीं की गयी राज्य की एवं संघशासित क्षेत्र की राजधानियाँ और क्षेत्र 2	मूलवेतन का 12.5 प्रतिशत अधिकतम 300/- रुपए प्र० मा० तक
4. क्षेत्र 3	मूलवेतन का 10 प्रतिशत अधिकतम 250/- रुपये प्र० मा० तक

नोट :—किराया रसीदों के प्रस्तुतीकरण पर उपर्युक्त के अनुसार आवास किराया भत्ता देय किया जाएगा। उसके बिना एक अधिकारी प्रमाण-पत्र के आधार पर उपर्युक्त दरों पर आवास किराया भत्ते के लिए मांग कर सकता है जिसकी अधिकतम सीमा निम्नानुसार होगी :

“अ” श्रेणी के बड़े शहर और समूह “अ” के परियोजना केन्द्र	अधिकतम 275/- रुपये
क्षेत्र 1 के अन्य स्थान और समूह “आ” के परियोजना केन्द्र	अधिकतम 225/- रुपये
क्षेत्र 2 और राज्य की तथा संघशासित क्षेत्रों की राजधानियाँ	अधिकतम 165/- रुपये
क्षेत्र 3	100—रुपये (नियत)

## 3. विनियम 23 में संशोधन :

(1) 1-1-1987 को और से विनियम 23(4) में प्रकाशित शब्द और प्रक्रिया प्र० मा० 100/- रुपये प्र० मा०

शब्द और अंक 150/- रुपये प्र० मा० से प्रति-  
स्थापित किया जाए”।

(2) 1-1-1985 को और से विनियम 23(6) निम्न-  
लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

“23(6) यदि वह किसी उच्च श्रेणी के पंद पर  
लगातार कम से कम 7 दिन अथवा एक कैलेंडर  
मास में कुल 7 दिन स्थानापन्न हो रुप में कार्य  
करता है तो उसे श्रेणी वेतन का 10 प्रतिशत तक  
मासान स्थानापन्न भत्ता प्राप्त होगा जिसकी अधिक-  
तम सीमा 250/- प्र० मा० होगी। स्थानापन्न भत्ता  
केवल भविष्य निधि के उद्देश्य से वेतन माना  
गयेगा, प्रत्यक्षा नहीं।

परंतु विनियम 6 के अंतर्गत केवल वर्गीकरण की  
समीक्षा के परिणाम स्वरूप यदि कोई अधिकारी  
उच्च श्रेणी में स्थानापन्न के रूप में कार्य करता  
है तो वह वर्गीकरण की समीक्षा तो कार्यान्वयन  
की तिथि से एक वर्ष की अवधि तक किसी  
प्रकार के स्थानापन्न भत्तो के लिए अर्ह नहीं  
होगा।”

(3) 1-1-1985 को और से विनियम 23(\*) में  
दी गई सारिणी को निम्नलिखित द्वारा प्रति-  
स्थापित की जाए :

#### सारिणी

स्थान	दर
(1)	(2)
समुद्र तल से 1500 मीटर और उससे ऊंचाई पर स्थित कार्यालयों में	वेतन का 10 प्रतिशत परन्तु अधिकतम 130/- रुपये प्र० मा०
समुद्र तल से 1000 मीटर तक 1500 मीटर से कम की ऊंचाई पर स्थित कार्यालयों में	वेतन का 8 प्रतिशत परन्तु अधिकतम रु. 100/- प्रति मास

#### 4. विनियम 24 में संशोधन :

1-1-1987 को और से विनियम 24(1) (आ) में खंड (4) के बाद निम्नलिखित को खंड (5) के रूप में जोड़ें :—

“24(1) (आ) (5) निम्नलिखित बोमारी जिसके लिए गृह चिकित्सा की आवश्यकता है के संबंध में किए गए चिकित्सा व्यय मान्यता प्राप्त अस्पताल प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किए जाने पर चिकित्सालय बास व्यय माना जाएगा एक अधिकारी के संबंध में 75 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति की जाएगी और उसके परिवार के सदस्यों के लिए 50 प्रतिशत तक “कैसर, लथ रोग, लकवा, हृदय रोग, अर्द्ध घेष्ठक, फुसावरण शोथ, डिफ्युरिया, कुण्ठ, गुरदे का रोग”

#### 5. विनियम 41 में संशोधन :

विनियम 41(4) के निम्नानुसार संशोधित होगा :—

“41(4) 1-1-1987 को और से स्तंभ 1 में दिए गए श्रेणी/वेतनमान के अधिकारी उसके आगे स्तंभ में दर्शायी गयी संबंधित दरों पर विराम भत्ते पाने अर्ह होंगे :—

अधिकारियों के वेतनमान/श्रेणी	दैनिक भत्ता (रुपयों में)		
“अ” श्रेणी के क्षेत्र—1	अन्य स्थान	बड़े शहर	
वेतनमान 6 और 7	100.00	80.00	60.00
वेतनमान 4 और 5	100.00	80.00	60.00
वेतनमान 2 और 3	70.00	60.00	50.00
वेतनमान 1	70.00	60.00	50.00

इस अनुबंध सहित कि :

(क) अनुपस्थिति की अवधि 8 घण्टे से कम परन्तु 4 घण्टे से अधिक होने पर उपर्युक्त दर का आधा विराम भत्ता देय होगा।

(ख) निम्नांकित सीमाओं पर विभिन्न श्रेणी वेतनमान के अधिकारियों को आर० टी० झी० सी० होटेल में एकल कमरे के आवास प्रभार तक वास्तविक होटलव्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी :—

भोजन व्यय (रुपयों में)				
अधिकारियों के श्रेणी/ वेतनमान	आवास करने के लिए	“अ” श्रेणी के बड़े शहर	अन्य स्थान	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
वेतनमान 6 और 7	4* होटेल	100.00	80.00	60.00
वेतनमान 4 और 5	3* होटेल	100.00	80.00	60.00
वेतनमान 2 और 3	2* होटेल	70.00	60.00	50.00
वेतनमान 1	1* होटेल	70.00	60.00	50.00

(ग) विराम स्थल पर निवास की निःशुल्क व्यवस्था होने पर विराम भत्ते का 3/4 भाग देय होगा।

(घ) विराम स्थल पर भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होने पर विराम भत्ते का 1/2 भाग देय होगा।

(ङ) विराम स्थल पर निवास व भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होने पर विराम भत्ते का 1/4 भाग देय होगा।

(च) मुख्यालय से बाहर निरीक्षण कार्य हेतु जाने पर निरीक्षण अधिकारी को 10 रु. प्रतिदिन दर से अनुपूरक "डाइम" भत्ता देय होगा।

#### स्पष्टीकरण :

विराम भत्ते कि गणना के उद्देश्य के लिए "प्रतिदिन" का अर्थ 24 घण्टे की एक अवधि या उसके अनुवर्ती भाग से होगा जिसकी संगणना विभान माला के संबंध में जाने हेतु प्रतिवेदन समय से और अन्य संदर्भों में जाने के अनुमूलित समय से की जाएगी। अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घण्टे से कम होने पर "प्रतिदिन" का अर्थ न्यूनतम 8 घण्टे होगा।

#### 6. विनियम 42 में संशोधन :

(1) 1-1-1987 को और उस तारीख से विनियम 42(2) (2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित होगा "42(2)(2) यदि अधिकारी, जो संपूर्ण छुट्टी के लिए है, रेल द्वारा "कंटेनर सेवा" (छिपा सेवा) की सुविधा प्राप्त करता है तो उसे यदि अधिकारी कनिष्ठ या मध्य प्रबंध श्रेणी में हो तो एक कंटेनर के लिए और यदि वह वरिष्ठ या उच्च प्रबंध श्रेणी में हो तो कंटेनर के लिए वास्तविक प्रभार की प्रतिपूर्ति की जाएगी। गंतव्य स्थान के लिए रेल की सुविधा उपलब्ध हो तो सामान की दुलाई मार्ग द्वारा किए जाने पर वास्तविक व्यय के संबंध में प्रस्तुत किए गए विलों के अधीन प्रतिपूर्ति उपलब्ध अधिकारी भाग की माल गाड़ी दुलाई करने पर होने वाले व्यय से अधिक नहीं की जाएगी। यदि तैनाती के पुराने या नए स्थान में रेलवे स्टेशन या रेलवे आउट एजेंसी नहीं हैं तो अधिकारी को निकटतम रेलवे स्टेशन या रेलवे आउट एजेंसी तक सामान की दुलाई मार्ग द्वारा करने के लिए वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यदि दोनों स्थानों में रेलवे स्टेशन/आउट एजेंसी उपलब्ध नहीं हैं तो अधिकारी को अनुमोदित परिवहन परिक्रालक द्वारा निर्धारित भार सीमा तक मार्ग द्वारा सामान की दुलाई के लिए वास्तविक व्यय की रकम अदा की जाएगी।

(2) 1-1-1987 को और उस तारीख से विनियम 42(3) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित होगा :

"42(3) स्थानांतरण होने पर अधिकारी दैकिंय, स्थानीय दुलाई बीमा से संबंधित व्यय के लिए निम्नलिखित अनुसार एकमुश्त रकम आहरण करने के लिए प्राप्त होगा।

श्रेणी	एकमुश्त
उच्च प्रबंध और वरिष्ठ प्रबंध श्रेणी	1,500/- रुपये
मध्य प्रबंध और कनिष्ठ प्रबंध श्रेणी	1,000/- रुपये

#### विनियम 44 में संशोधन:

1-1-1987 को और से विनियम 44(2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

"44(2) चार वर्ष में एक बार अधिकारी द्वारा अवकाश यात्रा सुविधा का उपयोग करते समय उसे अधिकतम, एक समय पर एक मास के प्राधिकृत अवकाश को समर्पित करने एवं भूलाने की अनुमति दी जा सकती है। छुट्टी के निम्नलिखित के लिए जिस महीने के दौरान अवकाश यात्रा सुविधा की उपलब्धि शुरू होती है, उस महीने के लिए देय सभी परिलिखित स्वीकार्य होती है।"

प्रधान मंत्री की सहायता दिल्ली को दान देने के लिए अधिकारी द्वारा विकल्प दिए जाने पर एक दिन की अतिरिक्त साधिकार छुट्टी की निम्नलिखित के लिए उसे अनुमति दी जाएगी वशतें कि अधिकारी द्वारा उसके लिए बैक को एक पत्र प्रस्तुत किया जाता है तथा निधि को रकम प्रेषित करने बैक को प्राधिकृत किया जाता है।"

हस्ताक्षर  
के० सी० पै०,  
महा प्रबंधक

भारतीय धाटड प्राप्त लेखाकार संस्थान,

मद्रास फ्राफिस (डिसट्रिक्ट इजड सेवशान),

मद्रास-600 034, विनांक 1 अगस्त 1988

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० ३-एस० सी० ए० (८) /१८८-८९—रेग्लेशन 10(1) की धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेग्लेशन 1988 के विनियम 10(2) (बी) के साथ पढ़ा जाये, के अनुसार एक द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सूचनाओं का कार्य करने का प्रमाण पत्र उके द्वारे दी गई तिथि से रह समझे जाएगे क्योंकि उक्तोने कार्य प्रमाण पत्र हेतु वापिक शुल्क का भुगतान नहीं किया था।

क्र०	सदस्यका	नाम एवं पता	विनांक
सं०	सं०		
1	2	3	4
1.	5330	श्री एस० सिवारामकृष्णा श्रीयूर, ए० सी० ए०, श्रेयास, 496, बासमारी (2 स्टेज), 20 और्स, 13 मैरी, बंगलौर 560 070	1-8-86

1	2	3	4
2.	11758	श्री एस० रमेश पाई,	1-8-86
		एफ० सी० ए०, मैसर्स एस० आर० पाई ए०	
		चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, केदार-101-को० ओ०	
		कालोनी, मणीपाल 576 119	
3.	19117	श्री नरेन्द्रा एल० देसाई,	1-8-86
		एफ० सी० ए०, मैसर्स जे० जे० मदान ए०	
		चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 2 पलोर,	
		बैंक प्रॉफ इंडिया बिल्डिंग, केव्हेगोवडा रोड़, बंगलौर 560 009	
4.	21465	श्री एच० सी० गुह्यदय,	1-8-85
		ए० सी० ए०, 25, 3 कोस, अशोक नगर, बंगलौर 560 050	
5.	24147	मिसिज आर० सुमधी,	1-8-87
		ए० सी० ए०, एच० आई० जी० 2, ब्लाक 3, फ्लैट, बाग लिंगमपल्ली,	
		हैदराबाद 500 044	
6.	24780	श्री जाज इसाक,	1-8-87
		ए० सी० ए०, न० 4, फस्ट फ्लौर, “बी” ब्लाक,	
		न० 26/1 बी काल बैंक रोड़, अट्यार,	
		मद्रास-600 020	
7.	24835	मिस जयाश्री चारी,	1-8-87
		ए० सी० ए०, 24, गिरी रोड़, टी० नगर, मद्रास 600 017	

काठपुर-208 001, दिनांक 1 अगस्त 1988

सं० 3-सी० सी० ए० (4) (3)/88-89—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विधियम 1988 के विधियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थाएँ परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्य का नाम उनके घारें दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र०	संबस्यता	नाम एवं पता	विनांक
सं०	सं०		
1.	71925	श्री म्याम सुन्दर शर्मा, 73-सी० मालविया नगर, भोपाल- 462003	16-7-87

आर० एल० चौपडा,  
सचिव  
मैन्डल वेअरहाउसिंग कार्पोरेशन  
(भारत सरकार का उपक्रम)  
दृष्टि दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त, 1988

## सूचना

सं० सी० डल्हू० सी०/III-18/88-बी० ए०-०-१-  
सैन्ट्स वेअरहाउसिंग कार्पोरेशन नियमावली 1963 के विधियम 13 के अनुसरण में वेअरहाउसिंग कार्पोरेशन अधिनियम, 1962 की धारा 7 की उपधारा (1) के भाग (ई) के अधीन महकारी संस्थाओं का प्रतिवित्व करने वाले अंश धारियों के वर्ग द्वारा 10 अगस्त, 1988 को विधिवत चुने गए निदेशक का नाम तथा पता नीचे अधिसूचित किया जाता है:—

श्री मधुरेण्ड्र कुमार सिंह,  
निदेशक,  
बिहार राज्य महकारी बैंक लिमिटेड  
पटना।

के० एल० साहनी,  
सचिव

## भारतीय श्रीदोगिक वित्त निगम

दृष्टि दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1988

सं० भौ० घि० नि०/बोर्ड व भमन्वय/40वीं वार्षिक महासभा/  
88-आर-2589—दिनांक 30 जुलाई, 1988 (भावण 8, 1910) के भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड 4 के पृष्ठ संख्या 1847 पर प्रकाशित भारतीय श्रीदोगिक वित्त निगम की भूत्ता संख्या 4/88 दिनांक 12 जुलाई, 1988 का शुद्धि-पत्र।

पृष्ठ	कॉलम	पैरा	पंवित	अशुद्ध	शुद्ध
मं०	सं०				
1847	1	(1)	ऊपर से	निगम	निगम के
			पहली	परन्तु वे	तुलन-पत्र
1847	2	(III)	ऊपर से	अधिनियम	परन्तु वे
			पांचवीं	उप-धारा	श्रीदोगिक
1847	2	(III)	ऊपर से	4 की	वित्त
			आठवीं	धारा (3)	अधिनियम
1847	2	(3)	ऊपर से	धारा 4 की	धारा 4 की
			सूसरी		उप-धारा
					(3)

आर० विश्वनाथन  
वार्षिक निदेशक

**RESERVE BANK OF INDIA  
CENTRAL OFFICE  
URBAN BANKS DEPARTMENT  
"THE ARCADE" WORLD TRADE CENTRE  
Bombay-400 005, the 18th August 1988**

No. UBD.BR.94/A.9-88/89.—In pursuance of clause (a) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs the inclusion in the Second Schedule to the said Act, of the following banks, namely :—

1. Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd., Bombay.
2. Saraswat Co-operative Bank Ltd., Bombay.
3. Abhyudaya Co-operative Bank Ltd., Bombay.
4. Development Co-operative Bank Ltd., Bombay.
5. Janata Sahakari Bank Ltd., Pune .
6. Shamrao Vithal Co-operative Bank Ltd., Bombay.
7. Rajkot Nagrik Sahakari Bank Ltd., Bombay.
8. Kalupur Commercial Co-operative Bank Ltd., Ahmedabad.
9. Surat Peoples Co-operative Bank Ltd., Surat.
10. Sangli Urban Co-operative Bank Ltd., Sangli.
11. Rupee Co-operative Bank Ltd., Pune.

The effective date of inclusion of the aforesaid banks in the Second Schedule shall be 1 September 1988.

P. D. OJHA  
Deputy Governor

**SYNDICATE BANK  
INDUSTRIAL RELATIONS DIVISION  
PERSONNEL DEPARTMENT  
HEAD OFFICE**

Manipal the 27th June 1988

No. FDO/PAD/88.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 to 1970), the Board of Directors of Syndicate Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations further to amend the Syndicate Bank (Officers') Service Regulations, 1979.

**2. Short title and Commencement :**

- (i) These Regulations may be called the Syndicate Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1988.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- (iii) Details of Amendments :

**I. Amendment to Regulation 5 :**

- (i) On and from 1-1-1985, at the end of Regulation 5(1), the following proviso be added :—

"Provided that those Officers in Junior Management Grade Scale I and Middle Management Grade Scale II and III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for Officers in Junior Management Grade Scale I and one such increment for Officers in Middle Management Grade Scale II and III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales, the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible, not earlier than 1st January 1987".

- (ii) On and from 1-2-1984, at the end of Regulation 5(2) the following proviso be added :—

"Provided that those officers who have reached the maximum of their pay scales, professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part-I of C.A.I.I.B. Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of C.A.I.I.B. Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay".

**II. Amendment to Regulation 22 :**

On and from 1-2-1984, Regulation 22(2), be substituted by the following :

"22(2) where an Officer is not provided with residential accommodation by the Bank, he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :—

Where the place of work is in	HRA payable shall be
(i) Major 'A' Class Cities specified as such from time to time by the Board of accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'.	17½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m.
(ii) Area I not covered by item (i) above and Project Area Centres in Group 'B'.	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m.
(iii) Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above.	12½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.
(iv) Area-III	10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.

*Note : House Rent Allowance as above shall paid on probation of rent receipts, except that an Officer may claim house rent allowance on certificate basis at the above rates subject to maximum as under :—*

Major 'A' Class Cities and Project Area Centres in Group 'A'.	Maximum Rs. 275/-
Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'	Maximum Rs. 225/-
Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories.	Maximum Rs. 165/-
Area III	Rs. 110/- (Fixed) ..

**III. Amendment to Regulation 23 :**

- (i) On and from 1-1-1987, in Regulation 23(iv), the words and figure "Rs. 100/- p.m." appearing therein be substituted by the words and figure "Rs. 150/- p.m."

- (ii) On and from 1-1-1985, Regulation 23(vi), be substituted by the following :—

"23(vi) If he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an Officiating Allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect."

- (iii) On and from 1-1-1985, in Regulation 23(x), the Table given therein be substituted by the following :—

TABLE

Places	Rates
(1)	(2)
Offices at altitudes of and over 1500 metres above Mean Sea Level.	10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/- p.m.
Offices at altitudes of and over 1000 metres but below 1500 metres above Mean Sea Level	8% of pay subject to a maximum of Rs. 100/- p.m.

#### IV. Amendment to Regulation 24 :

On and from 1-1-1987, in Regulation 24(1)(b), add the following as clause (v) after clause (iv) :—

"24(1)(b)(v) Medical expenses incurred in respect of the following diseases which needs domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and Bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members :—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleurisy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment".

#### V. Amendment to Regulation 41 :

The Regulation 41(4) stands amended as follows :—

"41(4). On and from 1-1-1987 an Officer in the Grades/Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in Column 2 thereof :—

Grades/Scales of Officers	Daily Allowance (Rupees)			
	Major 'A' Class Cities	Area-I	Other Places	
(1)	(2)	(3)	(4)	
Scale VI & VII	100·00	80·00	60·00	
Scale IV & V	100·00	80·00	60·00	
Scale II & III	70·00	60·00	50·00	
Scale I	70·00	60·00	50·00	

Provided that

(a) Where the total period of absence is less than 8 hours, but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.

(b) Officers in various Grade/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses restricting to single room accommodation charges in ITDC Hotels, subject to the limits as given below :—

Grades/Scales of Officers	Eligibility to stay	Boarding Charges (Rupees)		
		Major 'A' Class Cities	Area-I	Other Places
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Scale VI & VII	4* Hotel	100·00	80·00	60·00
Scale IV & V	3* Hotel	100·00	80·00	60·00
Scale II & III	2* Hotel (Non AC)	70·00	60·00	50·00
Scale I	1* Hotel (Non-AC)	70·00	60·00	50·00

(c) Where free lodging is provided at the place of halt, 3/4 of the Halting Allowance will be admissible.

(d) Where free boarding is provided at the place of halt, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.

(e) Where free lodging and free boarding are provided at the place of halt, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.

(f) A supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty may be paid to all Inspecting Officers.

#### Explanation :

For the purpose of computing Halting Allowance "per diem" shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, "per diem" shall mean a period of not less than 8 hours.

#### VI. Amendment to Regulation 42 :

- (i) On and from 1-1-1987, Regulation 42(2)(ii), be substituted by the following :

"42(2)(ii) If an officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management grade and for two containers if he is in Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road up to the nearest railway station or railway out-agency. If both the places do not have railway station/out-agency, the officer will be paid actual cost of transporting the baggage by road upto the stipulated weights by an approved transport operator".

- (ii) On and from 1-1-1987 Regulation 42(3), be substituted by the following :

"42(3) An officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for

expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc.	Lumpsum
Top Management & Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

*Amendment to Regulation 44 :*

On and from 1-1-1987, Regulation 44(ii), be substituted by the following :—

"44(ii) Once in every four years, when an Officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an Officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund".

K. C. PAI  
General Manager

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF  
INDIA

Madras-600 034, the 1st August 1988  
(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-SCA(8)/9/88-89.—In pursuance of Regulations 10(i)(iv) read with Regulation 10(2)(b) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from dates mentioned against their names, as they had not paid their annual fees for Certificates of Practice.

Sl. No.	Member ship No.	Name & Address	Dates
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	5330	Shri S. Sivaramakrishna Ayyar ACA Shreyas 496, Banasankari (II Stage), 20th Cross, 13th Main, BANGALORE-560 070.	01-08-1986
2.	11758	Shri S. Ramesh Pai, FCA M/s. S. R. Pai & Co., Chartered Accountants, Kedar 101 - Co. Op. Colony, MANJPAL : 576 119.	01-08-1986
3.	19117	Shri Narendra L. Desai, FCA M/s. J. J. Madan & Co., Chartered Accountants, IIInd Floor, Bank of India Building, Kempegowda Road, BANGALORE-560 009.	01-08-1986

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	21465	Shri H. C. Gurudath, ACA, 25, IIIrd Cross, Ashok Nagar, BANGAI ORE-560 050.	01-08-1985
5.	24147	Mrs. R. Sumathi, ACA, H.I.G.-II, Block 3, Flat, Bagh Lingampally, HYDERABAD-500 044.	01-08-1987
6.	24780	Shri George Isaac, ACA, No. 4, First Floor, 'B' Block, No. 26/18, Canal Bank Road, Adyar, MADRAS - 600 020.	01-08-1987
7.	24835	Miss Jayashree Chary, ACA 24, Giri Road, T. Nagar, MADRAS-600 017.	01-08-1987

R. L. CHOPRA  
Secretary

Kanpur-208 001, the 1st August 1988

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3CCA(4)(3)/88-89.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, the name of the following member with effect from the date mentioned against his name :—

Sl. No.	Member ship No.	Name & Address	Date of Removal
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	71925	Shri Shyam Sunder Sharma, 73/C, Malviya Nagar, BHOPAL-462 003.	16-07-1986

R. L. CHOPRA  
Secretary

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION

(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

New Delhi, the 11th August 1988

NOTICE

No. CWC/III-18/88-B&P.—In pursuance of Rule 13 of the Central Warehousing Corporation Rules, 1963 the name and address of the Director duly elected on the 10th August, 1988 by the class of shareholders representing the cooperative societies under Clause (e) of Sub-Section (1) of Section 7 of the Warehousing Corporations Act, 1962 is notified below :—

Shri Madhurendra Kumar Singh,  
Director,  
Bihar State Cooperative Bank Ltd.,  
Patna.

K. L. SAWHNEY  
Secretary